Lecture No- (01)

Name of the college - A.P.S.M. College, Barauni, Begusarai, L.N.M.U Darbhanga.
Name - Dr. Bharti Kumari (GT)
Dept - /Plan - B.A Part I A.I.H. & C paper - I
Date - 07-04-2021
Name of the Topic - Early life of Mahamud Gazni

महमूद गजनवी का प्रारंभिक जीवन

Continue

Introduction - आठवीं शताब्दी में होने वाले अरबी आक्रमणों के बाद लगभग 275 वर्ष तक भारत इस्लामी आक्रमणों से सुरक्षित रहा। परन्तु दसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में भारत पर इस्लामी आक्रमणों का सिलसिला पुनः प्रारंभ हुआ। इस बार आक्रमण करने वाले अरबी न होकर तुर्क थे। भारत पर जिन तुर्कों ने सबसे पहले आक्रमण किया उसका नाम सुबुक्तगीन था। वह अलप्तगीन का गुलाम व दामाद था। इसके बाद मोहमद गजनवी ने भारत पर आक्रमण किया। महमूद गजनवी ने भारत की धार्मिक आस्थाओं पर भी आघात लगाया और बहुत सारा धन लूट कर ले गया। यह कुशल योद्धा व योग्य सैनिक था। इसके बाद मोहम्मद गोरी ने भारत पर आक्रमण किया। यह महत्वाकांक्षी था। जब गजनवी का शासक बना तो उसने भारत पर आक्रमण किया उसने मुस्लिम साम्राज्य की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य भारत में अपना साम्राज्य स्थापित करना था। और यह अपने उद्देश्य में सफल भी हुआ। तुर्कों के आक्रमण से भारत में निर्धनता का सामना करना पड़ा और संस्कृति परम्परा

P.T.O.

छिन्न-भिन्न होने लगी। इस प्रकार तुर्की आक्रमणों से भारत को बहुत बड़ी क्षति का सामना करना पड़ा।

महमूद गजनवी का प्रारंभिक जीवन — महमूद गजनवी का जन्म 1 नवम्बर 971 ई. को हुआ था। वह सुबुक्तगीन का पुत्र था। उसकी माता जाबुलिस्तान के एक तुर्की सरदार की पुत्री थी। महमूद को बचपन से ही श्रेष्ठ ढंग से इस्लामी शिक्षा दी गई। इसके अतिरिक्त उसने घुड़सवारी, तीरन्दाजी और तलवार चलाने में निपुणता प्राप्त की। किशोरावस्था में उसने अपने पिता सुबुक्तगीन की ओर से अनेक युद्धों में भाग लिया। 997 ई. में सुबुक्तगीन की मृत्यु के पश्चात् उसे अपने छोटे भाई इस्माइल के विरोध का सामना करना पड़ा। परन्तु महमूद गजनवी ने इस्माइल को युद्ध में पराजित कर दिया और 998 ई. में गजनवी की गद्दी पर बैठ गया। उसने शीघ्र ही खुरासान पर भी अधिकार कर लिया। बगदाद के तत्कालीन खलीफा ने उसकी समस्त विजयों को मान्यता देते हुए उसे एक स्वतंत्र शासक स्वीकार कर लिया। खलीफा ने उसे यमीन उल मिल्लत (मुसलमानों का संरक्षक) तथा अमीनुद्दौला (साम्राज्य का संरक्षक) की उपाधियाँ भी प्रदान की। इससे महमूद की महत्वाकांक्षाएँ बढ़ गई और उसने एक विशाल साम्राज्य स्थापित करने का निश्चय किया।

भारती कुमारी
M.A. [illegible]
[illegible]